शिक्षक दिवस

(सर्वपल्ली राधाकृष्णनन जन्म दिवस)

05 सितम्बर, 2017

कार्यक्रम

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर।

आदर्श शिक्षक में मौलिक चिन्तन के साथ ही संवेदनशीलता के गुण आवश्यक हैं

05 सितम्बर 2017 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बी.एड़. विभाग द्वारा शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर 'आदर्श शिक्षक : आचरण एवं व्यवहार' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बी.एड़. विभाग के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्रा–प्राध्यापकों एव बी.एड़. विभाग के प्राध्यापकगण व महाविद्यालय के प्राचार्य उपस्थित थे। निर्धारित विषय पर कु.साक्षी राय, कु. रीना यादव, श्री प्रभात राय बी.एड़ भाग एक एवं राजेश नाथ तिवारी व श्री प्रिन्स कुमार दूबे ने अपने विचार प्रमुखता के साथ व्यक्त की। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से वक्ताओं का विचार था कि आदर्श शिक्षक में आत्मचिन्तन व मौलिक चिन्तन के साथ ही संवेदनशीलता के गुण आवश्यक हैं और विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास में सनद्ध शिक्षक ही आदर्श शिक्षक हो सकता है। इस अवसर पर विभाग प्रभारी डॉ. अरूण कुमार तिवारी ने डॉ.सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जीवनवृत्ति पर आख्या प्रस्तुत की और छात्र/छात्रा–अध्यापकों को किस प्रकार डॉ.सर्वपल्ली राधा कृष्णन से

प्रेरणा लेकर एक आदर्श शिक्षक के रूप में स्वयं को समर्पित करने की अपेक्षा इस देश और समाज को है यह रेखांकित भी किया।

कार्यशाला में सभी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यशाला के विषय पर चर्चा की और कहा कि संस्था, छात्र और समाज को दृष्टिगत रखकर जो शिक्षक मौलिक चिन्तन के साथ समर्पित भाव से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण को सकारात्मक बदलाव हेतु निरन्तर सचेष्ट रहता है, वही आदर्श शिक्षक की परिकल्पना को चरितार्थ करता हुआ दिखने लगता है। आदर्श एक परिकल्पनात्मक शब्द है जो मात्र शिक्षक के आचरण एवं व्यवहार में ही परिलक्षित होता है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ. सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी के चित्रों पर पुष्पान्जलि एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर कु. अन्जलि पाण्डेय, कु. करूणा गुप्ता तथा साक्षी राय ने सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति की। श्री सौरभ पाण्डेय, बी.एड. भाग दो ने पूरे कार्यशाला का संचालन किया। इस कार्यशाला का आयोजन एवं नियोजन श्री प्रसान्त कुमार पाण्डेय, बी.एड़. द्वितीय वर्ष एवं मीडिया प्रभारी श्री प्रमोद कुमार यादव, बी.एड. प्रथम वर्ष के साथ ही बी.एड. छात्र परिषद् के अन्य पदाधिकारियों ने किया।